## The Exacincial TExslenam.

Published under the direction of the Wesleyan Mothodist Conference of Eastern British America

|  | , | , | 872 |  | Number 16 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| In snowy shroud lying, with lily hands tolded My idol is broken, my playmate no more. |  |  |  |  |  |
| I weep, but another, with eye calm and truth- ful, |  |  |  |  |  |
| Is smiling upon me in hours of repose,Combining the wisdom of years with the youth-ful:Of boons heaven granted, |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | cra |
|  |  |  |  |  |  |
| ed! look for the nine, but I walk among graves ; |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| fadd, A requiem floats-' is the murmur of waves. A spell is around me. O may I not linger? Is not this the real? why wanes it so soon? |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| $\begin{aligned} & \text { A darkness is deep and the embers are dying, } \\ & \text { y yearning is left for the days that are fled; } \\ & \text { Without, seems the night witd, all mourntully } \\ & \text { sighing, } \end{aligned}$ |  |  |  |  |  |
|  | m |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | \% |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| brighter,For these I would have thee work longer andwait. |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | der |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | 0 |  |  |  |
|  |  |  |  | and |  |
| $\begin{aligned} & \text { agh only faith sees thee, I know thou ait } \\ & \text { near; } \\ & \text { my doubting soul, on thy bosom reclin- } \\ & \text { ing, } \end{aligned}$ |  |  |  |  |  |
|  |  |  | ineer feit umoph b |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| arth smiles, and my spirit looks cheerfully on,II one little hour for a life-work made stronger,Che hour that I mused in the twilight alone.T. |  |  |  |  |  |
|  |  |  | moter |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | eit fojeeie |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | mid |  |
| $\begin{aligned} & \text { man! } \\ & \text { Thire all the glory, man's the boundless bliss ! } \\ & \text { The resurrection of Jesus Christ affords } \end{aligned}$ |  |  | Hey fom to |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | Uere |  |  | 1 cond omem yon |  |
|  | d | - |  |  |  |
|  |  |  |  | 为 |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | milm ont imit |
| $\qquad$ |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

